एम.ए. (इतिहास)

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य

2020-21

एम.ए. इतिहास प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए

जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्रों के लिए

एम.एच.आई.-01 : प्राचीन और मध्यकालीन समाज

एम.एच.आई.-02 : आधुनिक विश्व

एम.एच.आई.-04 : भारत में राजनीतिक संरचनाएं

एम.एच.आई.-05 : भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

सत्रीय कार्य

2020-2021

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2020 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2021**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2021 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2021**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगे:

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।
2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगा:

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि:

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्यजमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एमएचआई-01: प्राचीन एवं मध्यकालीन समाज

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-01
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-01एएसटी/टीएमए/2020-21
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग क

1. पशुपालक खानाबदोशों के समाज और अर्थव्यवस्था का विश्लेषण कीजिए। 20

2. मिस्र और हड़प्पा सभ्यताओं के व्यापार के प्रारूप की चर्चा कीजिए। 20

3. रोमन गणतंत्र के अंतर्गत राजनीतिक संरचना का वर्णन कीजिए। 20

4. दक्षिण अफ्रीका के क्षेत्र में अर्थ-व्यवस्था और राज्य व्यवस्था की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 20

5. निम्न में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः 10 +10
   (i) कृषि की शुरूआत
   (ii) हड़प्पा सभ्यता में लेखन
   (iii) डेरियस I
   (iv) मंगोल साम्राज्य

भाग- ख

6. रोमन साम्राज्य के अंतिम चरण की धार्मिक परंपरा पर एक नोट लिखिए। 20

7. मेनर (सामंत भूमि) के विभिन्न प्रकार के कृषकों की दशाओं का विश्लेषण कीजिए। 20

8. एशिया और यूरोप में वस्त्रोत्पादन का संक्षेप में ब्यौरा दीजिए। 20

9. प्रोटेस्टेन्टवाद (धर्म सुधार) को जन्म देने वाले कारकों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 20

10. निम्न में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः 10 + 10

   (i) प्रवासन और शहरीकरण
   (ii) व्यापार के केंद्रों के रूप में नगर
   (iii) बारूद का उपयोग
   (iv) मध्यकालीन यूरोप में परिवार और उत्तराधिकार की व्यवस्था

एमएचआई-02: आधुनिक विश्व

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-02
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-02/एएसटी/टीएमए/2020-21
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग क

1. धर्म निरपेक्षता की विचारधारा के आविर्भाव के लिए पुनर्जागरण ने स्थितियों को कैसे सृजित किया। 20

2. राज्य की उदारवादी संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। 20

3. राष्ट्रवाद की परिभाषा दीजिए। विश्व में राष्ट्रवाद का विकास कई चरणों से हुआ। गेलनर के वर्गीकरण के संदर्भ में रखकर स्पष्ट कीजिए। 20

4. वाणिज्यिक पूंजीवाद के विकास पर एक नोट लिखिए। 20

5. निम्न में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः 10 +10
   (i) नीत्शे
   (ii) कल्याणकारी राज्य
   (iii) जेंडर एवं लोकतंत्र
   (iv) अल्प विकास का अर्थ

भाग- ख

6. विऔपनिवेशीकरण क्या है? आधुनिक जगत में विऔपनिवेशीकरण की प्रक्रिया और इसके ऐतिहासिक संदर्भ की चर्चा कीजिए। 20

7. परमाणु शस्त्रों की होड़ और इसके प्रसार को नियंत्रित करने के प्रयासों का विश्लेषण कीजिए। 20

8. प्रौद्योगिकीय विकास से ज्ञान की वृद्धि का सरोकार कैसे है? 20

9. औपनिवेशीकरण और पर्यावरणीय क्षतियों पर एक नोट लिखिए। 20

10 निम्न में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः 10 + 10
   (i) वाणिज्यवाद
   (ii) गुटनिरपेक्ष आंदोलन
   (iii) जनमत संग्रह का विचार
   (iv) टोटल वार (सम्पूर्ण युद्ध)

एमएचआई-04: भारत की संरचना

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-04
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-04/एएसटी/टीएमए/2020-21
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग क

1. सातवाहन राज्य पर एक नोट लिखिए। 20

2. राजपुतों के शासनकाल में राज्य गठन की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए। 20

3. दिल्ली सल्तनत के तहत राज्य की प्रकृति का वर्णन फख्र-ए-मुदाबित और जिया बरनी की कृतियों का उल्लेख करते हुए कीजिए। 20

4. भारत में 18वीं शताब्दी की राज्य-व्यवस्थाओं की प्रकृति का विश्लेषण कीजिए। 20

5. कृपया प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः 10 +10
   (क) औपनिवेशिक राज्य की राजनीतिक अर्थव्यवस्था
   (ख) औपनिवेशिक राज्य में न्यायपालिका एवं कानून

भाग- ख

6. चोल प्रशासन की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 20

7. उत्तर गुप्त काल की प्रशासनिक व्यवस्था का ब्यौरा दीजिए। 20

8. मुगल साम्राज्य की राजस्व पद्धति का विश्लेषण कीजिए। 20

9. औपनिवेशिक राज्य की प्रलेखन परियोजना पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

10. कृपया प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः 10 + 10
    (क) औपनिवेशिक वन नीति
    (ख) मैकाले मिनट (प्रतिवेदन)

एमएचआई-05: भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-05
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-05/एएसटी/टीएमए/2020-21
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग- क

1. प्राचीन भारतीय आर्थिक इतिहास से संबंधित तत्कालीन विभिन्न विचारधाराओं की चर्चा कीजिए। क्या यह प्राचीन भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास अथवा स्थिरता को दर्शाता है? 20

2. उत्तर पश्चिम और राजस्थान के नवपाषाण ताम्रपाषाण स्थलों की चारित्रिक विशेषताओं की सूची बनाइये। किस रूप में ये दक्षिणी दक्खन की भस्म-टीला संस्कृति से भिन्न थी? 20

3. दक्षिण भारत में नगरीकरण के विकास में *नाडु, नगरम्* और *नखर* की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

4. मध्यकाल में खेतिहरों की विभिन्न श्रेणियों की विद्यमानता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

5. निम्न में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः 10 + 10
   (क) कुषाणों की कृषि अर्थव्यवस्था
   (ख) जूनागढ़ प्रशस्ति
   (ग) *ब्रह्मदेय* अनुदान
   (घ) ग्रामीण-शहरी नैरन्तर्य

भाग- ख

6. मध्यकाल में मुडा प्रणाली के विकास का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

7. व्यवसायीकरण से क्या तात्पर्य है? क्या आप इससे सहमत है कि भारत में व्यवसायीकरण का प्रारंभ ब्रिटिश औपनिवेशीकरण के साथ हुआ? 20

8. ब्रिटिश भारतीय प्रशासन के विभिन्न बन्दोबस्तों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

9. भारत में विज्ञान की शिक्षा के प्रति औपनिवेशिक नीति की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए। विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में औपनिवेशिक हस्तक्षेपों के प्रति भारतीय प्रतिक्रिया क्या थी? 20

10. निम्न में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: 10 + 10

(क) मध्यकाल में सिंचाई तकनीकी

(ख) प्रारम्भिक जनगणना

(ग) जनजातीय अर्थव्यवस्था पर औपनिवेशिक प्रभाव

(घ) औपनिवेशिक काल में कृषि सांख्यिकी संबंधी विवाद